250 रुपये में ऑनलाइन टिकट बुक कर बिना लाइन में लगे महाकालेश्वर के दर्शन कर सकेंगे श्रद्धालु। टिकट पर उनके दर्शन का समय और गेट नंबर दर्ज होगा। वे उस समय पर दिए गए गेट नंबर से प्रवेश कर सीधे दर्शन के लिए जा सकेंगे।

निर्धारित समय के बाद रेलकर्मियों की स्वत : हो जाएगी पदोन्नति

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद

अब रेलवे अधिकारियों की गलती का खामियाजा कर्मचारियों को नहीं भुगतना पड़ेगा। ऐसे कर्मचारियों की फाइल 31 अगस्त तक ठीक करने और ठीक न होने वाली फाइलों को मुख्यालय भेजने का आदेश दिया है। जिस कर्मचारी की फाइल पूरी नहीं होगी, उसे भी पदोन्नत कर दिया जाएगा। वेतन वृद्धि भी स्वतः ही हो जाएगी। यह व्यवस्था पूरे देश में लागू हो जाएगी।

अधिकारियों का तबादला हो जाने के बाद कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका में रिपोर्ट अंकित नहीं करते हैं, जिससे पुस्तिका को अधूरा माना जाता है। इससे कर्मचारियों की पदोन्नति व वेतन वृद्धि रुक जाती है। कुछ कर्मचारियों की फाइलों को जानबूझकर अधूरा छोड़ दिया जाता है। इससे उनके पदोन्नति व वेतन वृद्धि पर असर पड़ता है। नई व्यवस्था के तहत ऐसा नहीं होगा। सबसे अधिक मामले वाणिज्य विभाग के हैं। दरअसल, किसी स्थान पर तैनात अधिकारी का तबादला भले ही हो जाता है, लेकिन पहले वाली जगह के कर्मचारियों की पदोन्नति या वेतन वृद्धि की संस्तुति के लिए सेवा पुस्तिका उसी अधिकारी के पास भेजे जाने का प्रावधान है। हालांकि, अक्सर वहां से बिना रिपोर्ट लगाए सेवा पुस्तिका वापस कर दी जाती है।

कर्मचारियों की फाइल 31 अगस्त तक ठीक करने के आदेश

रेलवे के ट्रेड यूनियन ने इस मामले को रेलवे बोर्ड के अधिकारियों से सामने उठाया और कहा है कि अधिकारियों की गलती कर्मचारियों को क्यों भुगतनी पड़ रही है। रेलवे बोर्ड के डायरेक्टर जनरल (कार्मिक) मनोज पांडेय ने 27 जून को सभी जोन के मुख्य कार्मिक अधिकारियों को पत्र भेजा है। इसमें कहा है कि जिन कर्मचारियों की फाइलें लंबे समय से अधूरी हैं, उन्हें 31 अगस्त तक पूरा कर कर्मचारियों को नियमानुसार पदोन्नति व अन्य लाभ उपलब्ध कराएं। मुरादाबाद प्रवर मंडल कार्मिक अधिकारी विपुल गोयल ने बताया कि ऐसी फाइलों को निकाला जा रहा है और कमी को दूर कर कर्मचारियों को पदोन्नति आदि का लाभ दिया जाएगा। किसी कारण से फाइल पूरी नहीं होगी तो उसकी सूचना मुख्यालय भेजी जाएगी।

राफेल आ रहा है, छत पर न रखें पक्षियों के लिए दाना

दीपक बहल, अंबाला

सुपरसोनिक लड़ाकू विमान राफेल के आने से पहले सियासी तूफान मचा तो अब पक्षियों ने हैरान-परेशान कर दिया है। वायुसेना के अधिकारियों ने इनसे निपटने के लिए स्थानीय लोगों से मदद मांगी है। कहा है कि अपने घर की छत पर खाने का कोई सामान न रखें। साथ ही, प्रशासन को भी शिकायत भेजी है। वायुसेना के अधिकारियों के मुताबिक इस खाने की वजह से पक्षी मंडराते हैं। यही फिर विमान के सामने आ जाते हैं। पिछले दिनों जगुआर विमान इसी कारण हादसे का शिकार हो गया था।

अंबाला एयरफोर्स स्टेशन की सीमा के 100 मीटर के दायरे में ही करीब 250 मकान आबाद हो गए। वर्क्स ऑफ डिफेंस एक्ट 1903 के तहत एयरफोर्स स्टेशन के 100 मीटर दायरे में कोई भी निर्माण नहीं किया जा सकता। सितंबर में राफेल की तैनाती होनी है, इसलिए अभी से तैयारी की जा रही है।

जगुआर मामले में वायुसेना ने अपने ट्विटर हैंडल पर वीडियो अपलोड किया था। जगुआर ने दो अतिरिक्त फ्यूल टैंक तथा कैरियर बॉम्ब लाइट स्टोर (सीबीएलएस) के साथ अंबाला एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरी थी। वीडियो में साफ दिखा है कि उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही जगुआर के सामने पक्षियों का एक झुंड आ गया, जिसके चलते पायलट को फ्यूल टैंक गिराने पड़े। पक्षियों को फाइटर प्लेन के लिए खतरा बताया गया। पक्षी जब किसी तरह इंजन तक पहुंच जाते हैं तो एक इंजन बंद हो जाता है। दूसरे इंजन के चालू रहने पर रफ्तार कम होती है और इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ती है। वायुसेना ने स्थानीय प्रशासन को शिकायत भेजी है, जिसमें कहा गया है कि कुछ स्थानीय लोग अपने घरों में कबूतरों का प्रजनन करा रहे हैं। ये वायुसेना के हवाई क्षेत्र के करीब हैं। ये पक्षी लड़ाकू जेट विमानों के लिए खतरा बन रहे हैं।

समझौते के तहत भारत को 36 राफेल विमान मिलने हैं, जिनमें से 18 अंबाला एयरबेस में तैनात होंगे। फाइल फोटो

एक मिनट में 2500 राउंड गोले दागे जा सकते हैं

इस लड़ाकू विमान के दोनों तरफ से 30 एमएम की तोप से 2500 राउंड गोले एक मिनट में दागे जा सकते हैं। विमान की मारक क्षमता 3700 किलोमीटर है। यह 1900 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकता है। 300 किलोमीटर की रेंज से हवा से जमीन पर हमला करने में सक्षम है।

एयरबेस को किया जा रहा है अपग्रेड : अंबाला एयरबेस रणनीतिक लिहाज से काफी अहम है। यह पाकिस्तान सीमा से करीब 220 किलोमीटर दूर है। राफेल के लिए अंबाला एयरबेस को अपग्रेड किया जा रहा है। 14 नए शेल्टर्स बनाए जा रहे हैं, नए हैंगरों, नए संचालन स्थलों, एक डी-ब्रीफिंग कक्ष और सिमुलेटर प्रशिक्षण की भी व्यवस्था है। अपग्रेडेशन कार्य के लिए फ्रांस की टीम दौरा भी कर चुकी है।

एक मिनट में 60 हजार फीट की ऊंचाई तक जा सकता है राफेल : समझौते के मुताबिक, भारत को 36 राफेल विमान दिए जाने हैं। इनमें 18 अंबाला में रखे जाएंगे। दो इंजन वाले इस लड़ाकू विमान में एक या दो पायलट बैठ सकते हैं। ऊंचे इलाकों में लड़ने में माहिर यह विमान एक मिनट में 60 हजार फीट की ऊंचाई तक जा सकता है। अधिकतम भार ढोने की क्षमता 24500 किलोग्राम है।

मई 2020 तक अंबाला पहुंचेंगे 19 राफेल : सितंबर माह में अंबाला एयरफोर्स स्टेशन पर एक राफेल विमान पहुंचेगा। बाकी 18 राफेल लड़ाकू जेट मई 2020 तक मिल जाएंगे। इन लड़ाकू जेट विमानों को यहां 17 स्क्वाड्रन में शामिल किया जाएगा।

लैंड करते समय इंडिगो के विमान से टकराया पक्षी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : बेंगलुरु से गोरखपुर आ रहा इंडिगो का बोइंग विमान रविवार शाम गोरखपुर एयरपोर्ट पर लैंड करते समय पक्षी से टकरा गया। इससे विमान का संतुलन बिगड़ गया, लेकिन पायलट ने सूझबूझ से विमान को सकुशल रनवे पर उतार लिया। विमान का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है, जिसके कारण गोरखपुर से बेंगलुरु की उड़ान रद कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि 24 मई को भी दिल्ली से गोरखपुर आ रहा एयर इंडिया का विमान गोरखपुर में लैंड करते समय पक्षी से टकराया था।

अधिकारियों के मुताबिक, विमान में क्रू मेंबर समेत सवार 151 लोग सवार थे। हालांकि, किसी को कोई चोट नहीं आई। एयरपोर्ट अथॉरिटी व इंडिगो के अधिकारियों ने घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। विमान मरम्मत के लिए दिल्ली से इंजीनियर बुलाए गए हैं। इसी विमान को गोरखपुर से यात्रियों को लेकर वापस बेंगलुरु जाना था। बेंगलुरु जाने के लिए टिकट बुक कराने वाले 152 यात्रियों में करीब 30 लोगों को हैदराबाद जाने वाले विमान से भेजा गया। अन्य को सोमवार को दूसरे विमान से भेजा जाएगा। एयरपोर्ट अथारिटी ने कहा कि बर्ड हिट की वजह से विमान में गड़बड़ी आई।

कर्ज माफी के पोस्टर में अमरिंदर संग दिखे किसान को कांग्रेसियों ने पीटा

हद है ▶ पंजाब सरकार के कर्ज माफ न करने पर अकाली दल में हो गए थे शामिल

कहा, कांग्रेसियों ने पहले भी किए हमले, पुलिस ने बनाया समझौते का दबाव

संवाद सहयोगी, किला लाल सिंह (गुरदासपुर)

पंजाब में विधानसभा चुनाव के समय जिस किसान बुद्ध सिंह की कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ कर्ज माफी के पोस्टर में फोटो प्रकाशित की गई थी, उसी किसान को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीट डाला और पगड़ी भी उछाली। बीच-बचाव करने आए सब इंस्पेक्टर अमृतपाल सिंह रंधावा को भी कांग्रेसियों ने नहीं बख्शा। बस स्टैंड कोटली सूरत मल्ली में हुई पूरी घटना एक दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे भी कैद हो गई है।

किसान बुद्ध सिंह ने बताया कि कांग्रेस ने कर्ज माफी योजना के पोस्टर में उनका फोटो कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ छापा था। कांग्रेस की इस योजना का वह मुख्य चेहरा बने थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद सरकार ने उसका ही कर्ज माफ नहीं किया। जब यह बात मीडिया के सामने आई तो अकाली नेता एवं पूर्व मंत्री विक्रमजीत सिंह मजीठिया ने उनका कर्ज चुकाया था। मजीठिया के कर्ज चुकाने के बाद वह अकाली दल में शामिल हो गए। इससे कांग्रेस सरकार और नेताओं की काफी किरकिरी हुई थी। शनिवार को वह बिजली कार्यालय कोटली सूरत मल्ली से घर वापस आ रहे थे। इसी बीच कांग्रेस के ब्लॉक प्रधान सविंदर सिंह भमरा के बेटे व कांग्रेस कमेटी के सर्कल प्रधान हरदेव सिंह गोल्डी भमरा कुछ साथियों के साथ आकर मारपीट करने लगे। पगड़ी का भी अपमान किया। वहां से गुजर रहे एक पुलिसकर्मी ने बीच बचाव कर बचाया। इस दौरान पुलिसकर्मी को भी चोटें लगी हैं।

बुद्ध सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस वर्कर इससे पहले भी उन पर हमले कर चुके हैं। मारपीट करने वाले आरोपितों को पकड़ने की बजाय थाना कोटली सूरत मल्ली पुलिस ने उन्हें बिना कारण दिनभर बिठाए रखा। कांग्रेस वर्करों के साथ समझौते के लिए दवाब भी बनाया गया।

सब इंस्पेक्टर बोले, गिरने से लगी चोट : किसान बुद्ध सिंह को बचाने के बाद सब इंस्पेक्टर अमृतपाल सिंह रंधावा भी वहां से निकल गए। बाद में रंधावा ने कहा कि वह कहीं गिर गए थे इस कारण उन्हें चोटें लगी हैं।

कांग्रेसियों पर मारपीट का आरोप लगाने वाले किसान बुद्ध सिंह मामले की जानकारी देते हुए। साथ में हैं उनकी पत्नी। मारपीट की घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। जागरण

यूथ कांग्रेस नेता ने कहा-मुझ पर लगाए आरोप झूठे

यूथ कांग्रेस नेता हरदेव सिंह गोल्डी का कहना है कि उन पर लगाए आरोप निराधार व झूठे हैं। बुद्ध सिंह ने उन्हें गाली दी, तो उन्होंने उसे गाली देने से मना किया। बाद में वह खुद झगड़ा करने लगा।

जांच की जा रही

थाना कोटली सूरत मल्ली के प्रभारी अवतार सिंह का कहना है कि उन्हें शिकायत मिली है। सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद कार्रवाई की जाएगी। बुद्ध सिंह और हरदेव के बीच पुरानी रंजिश है। बुद्ध सिंह पर पुलिस ने किसी तरह का दवाब नहीं बनाया।

करतारपुर कॉरिडोर का 60 फीसद काम पूरा

पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब जाने के लिए बनाए जा रहे कॉरिडोर का काम दोनों ही देशों की ओर से तेजी से किया जा रहा है। पाक का कहना है कि उसने 90 फीसद काम पूरा कर लिया है। जागरण

जागरण संवाददाता, गुरदासपुर

पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब के लिए भारत-पाक के बीच बनाए जा रहे कॉरिडोर के निर्माण ने रफ्तार पकड़ ली है। भारत की ओर से भी निर्माण कार्य करीब 60 फीसद पूरा कर लिया गया है। पाकिस्तान का दावा है कि उसने 90 फीसद तक काम पूरा कर लिया है। आठ नवंबर को गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव से पहले भारत और पाक सरकार इस कॉरिडोर को श्री करतारपुर साहिब के दर्शनों के लिए खोलेगी। लाखों श्रद्धालुओं को इस दिन का बेसब्री से इंतजार है।

इंजीनियर मलकीत सिंह के अनुसार, सड़क पर मिट्टी डालने का काम तेजी चल रहा है। यही नहीं पंजाब सरकार की ओर से भी चौक काहलावाली से डेरा बाबा नानक, डेरा बाबा नानक से फतेहगढ़ चूड़ियां और गांव रामदास रोड गांव ठेठरके की पुली तक सड़क को चौड़ा करने का काम लगातार चल रहा है।

आठ नवंबर से पहले भारत-पाक पूरा करेंगे काम

निर्माण कार्य देखने भी पहुंच रहे श्रद्धालु : 'वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फतेह' के जयकारों के साथ सैकड़ों श्रद्धालु हर रोज करतारपुर कॉरिडोर के निर्माण कार्य को देखने डेरा बाबा नानक पहुंच रहे हैं। पटियाला से गुरविंदर सिंह अपने परिवार के साथ डेरा बाबा नानक पहुंचे। उन्होंने कॉरिडोर के चल रहे काम को भी देखा। गुरविंदर ने बताया कि लंबे समय से चाहते थे कि पाकिस्तान जाकर गुरुद्वारा साहिब के दर्शन किए जाएं। अब जल्द उनकी यह इच्छा पूरी हो जाएगी।

करतारपुर गलियारे पर बैठक में शामिल नहीं होंगे पाक के नए उच्चायुक्त

नई दिल्ली, एएनआइ : भारत में नवनियुक्त पाकिस्तान के उच्चायुक्त मोइनुल हक करतारपुर गलियारे को शुरू करने को लेकर आयोजित दूसरे दौर की बैठक में शामिल नहीं होंगे।

नई दिल्ली में राजनयिक सूत्र ने बताया, 'हक इस महीने के आखिर में पदभार ग्रहण करेंगे। 14 जुलाई को करतारपुर गलियारे पर होने वाली बैठक में वह शामिल नहीं होंगे।' हक सोहैल महमूद का स्थान लेंगे। उन्होंने बताया कि भारत में नियुक्त पाकिस्तान के उप उच्चायुक्त अपनी टीम के साथ इस बैठक में शामिल होंगे। सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान करतारपुर गलियारे के काम में हुई प्रगति को लेकर एक प्रस्तुतीकरण भी देगा।

करतारपुर गलियारे पर दूसरे दौर की बातचीत की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दोबारा चुने जाने पर की गई थी। पहले दौर की बैठक 14 मार्च को अटारी-वाघा बॉर्डर पर भारत की तरफ आयोजित की गई थी। उल्लेखनीय है कि भारत ने पकिस्तान के उस कदम पर चिंता जताई थी, जिसमें उसने कहा था कि गुरु गोबिंद सिंह के 550वें जन्मोत्सव पर वीजा फीस चुकाने के बाद केवल 700 श्रद्धालु करतारपुर साहिब जा सकते हैं। इससे पहले दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को पत्र लिखकर एक दिन में कम से कम 5000 श्रद्धालुओं को बिना वीजा वहां जाने की इजाजत देने की मांग की थी। यह पूछे जाने पर कि क्या गुरु पर्व से पहले पाकिस्तान व हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री संयुक्त रूप से करतारपुर गलियारे का उद्घाटन कर सकते हैं।

भाजपा की सदस्यता लेने पर मुस्लिम महिला से मारपीट, जान से मारने की दी धमकी

जागरण संवाददाता, अलीगढ़

भाजपा की सदस्यता लेना एक मुस्लिम महिला के लिए जी का जंजाल बन गया। भाजपा में शामिल होने पर मकान मालिक की पत्नी व बेटे ने मारपीट की। जान से मारने की धमकी देते हुए घर से निकालने की कोशिश की। मौके पर भाजपा नेताओं व पुलिस के पहुंचने पर उसे राहत मिली। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मकान मालिक, उसकी पत्नी व बेटे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपित बेटे को गिरफ्तार कर लिया है।

पशुधन प्रसार मंत्री लक्ष्मी नारायण ने शनिवार को अलीगढ़ में भाजपा सदस्यता अभियान की शुरुआत की थी। यहां कई मुस्लिम महिलाएं भाजपा में शामिल हुईं थीं। देहली गेट क्षेत्र के एडीए कॉलोनी बिजली घर शाहजमाल निवासी शकील की पत्नी गुलिस्ताना ने भी शपथ ली थी। गुलिस्ताना वहां सुल्तान जर्राहा के मकान में किराए पर रहती हैं। इनके पति शकील दिल्ली में काम करते हैं। गुलिस्ताना ने कहा कि रविवार को सुल्ताना जर्राहा की पत्नी मदीना और उसके बेटे सलमान को मेरे भाजपा में शामिल होने की जानकारी मिली तो आग बबूला हो गए। बोले, 'हिंदू बन जाओ, यहां से निकल जाओ।' सलमान ने मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसकी जानकारी भाजपा महिला मोर्चा महावीर गंज मंडल की मंत्री रूबी आसिफ खान को दी तो कई कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। भाजपा नेताओं ने देहली गेट पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस के पहुंचने के बाद मामला शांत हुआ। गुलिस्ताना ने सुल्तान जर्राहा, मदीना व सलमान के खिलाफ तहरीर दी है। इंस्पेक्टर देहली गेट इंद्रेश कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित बेटे सलीम को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों के बीच किराए का विवाद भी चल रहा है। दूसरी ओर गुलिस्ताना ने आरोप लगाया है कि आरोपितों के मकान में हुमा भी रहती हैं। इन्होंने भी भाजपा की सदस्यता ली थी। इसके चलते आरोपितों ने हुमा को भी धमकी दी।

मकान मालिक की पत्नी व बेटे ने दिया घटना को अंजाम

अलीगढ़ में पुलिस के पास पहुंचीं गुलिस्ताना अपना दर्द बताती हुईं। जागरण

जागरण में प्रकाशित हुई थी गुलिस्ताना की तस्वीर

कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण व भाजपा के अन्य नेताओं के साथ गुलिस्ताना के भाजपा में शामिल होने की तस्वीर रविवार के अंक में केवल दैनिक जागरण में प्रकाशित हुई थी। जागरण में गुलिस्ताना की तस्वीर देखकर ही मकान मालिक की पत्नी व बेटा भड़क गए। पीड़ित महिला ने भी तस्वीर छपने के बाद मकान से निकालने की बात कही है।

संत तुकाराम महाराज पालकी उत्सव...

महाराष्ट्र के सोलापुर में रविवार को संत तुकाराम महाराज पालकी उत्सव के दौरान पारंपरिक वाद्ययंत्र तानपुरा के साथ शामिल श्रद्धालु। 17वीं शताब्दी के महान संत कवि तुकाराम के सम्मान में उनके जन्मस्थान पुणे के देहू से 24 जून को सालाना पालकी जुलूस यात्रा निकली है। यह 11 जुलाई को सोलापुर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पंढरपुर में संपन्न होगी। महाराष्ट्र में भक्ति आंदोलन के प्रमुख संत तुकाराम भगवान विट्ठल के उपासक थे। प्रेट्र

वीरभूम में पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी 112 देसी बम बरामद

जागरण संवाददाता, वीरभूम : पुलिस ने पश्चिम बंगला के वीरभूम जिले के विभिन्न स्थानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर 112 जिंदा देसी बम बरामद किए हैं। एक तृणमूल कार्यकर्ता के घर चूल्हे में दबाए गए दो ड्रम बम भी मिले। इसके अलावा छह हथियार भी बरामद किए गए। आपराधिक मामलों में लिप्त होने के आरोप में नौ लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। बता दें कि जिले के मल्लारपुर रेलवे स्टेशन के पास मेघदूत क्लब की इमारत में 30 जून की देर रात विस्फोट हुआ था, जिसमें इमारत की छत और दीवार उड़ गई थी। इसके अलावा चार जुलाई को लाबपुर में तड़के तीन बजे करीब विस्फोट हुआ था। विस्फोट में आसपास की दो इमारतों को नुकसान भी पहुंचा था। हालांकि, घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं थी। उक्त घटनाओं के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह के निर्देश पर शनिवार रात में नानूर, सदाईपुर, मल्लारपुर, लाबपुर, रामपुरहाट, दुबराजपुर, पारुई, कांकड़तला समेत विभिन्न स्थानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। इस दौरान सत्तार गांव में तृणमूल कार्यकर्ता आरिफ मोल्ला के घर दबिश डालकर चूल्हे में छुपाए गए दो ड्रम में देसी बम भी बरामद किए।

प्रयास

उद्योगों के दूषित कारक सीधे गंगा में नहीं जाएंगे, जल निगम, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और पंचायती राज को जिम्मेदारी

उप्र में निर्मल गंगा के लिए एक्शन प्लान तैयार

जागरण संवाददाता, कानपुर

गंगा की शुचिता और अविरलता के लिए 2030 तक का मास्टर एक्शन प्लान तैयार किया गया है। जल निगम, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ग्राम पंचायत, वन विभाग, पंचायती राज समेत अन्य विभागों को जिम्मेदार बनाया गया है। ये निर्धारित समय में प्रदूषण रोकने के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), कॉमन इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) का निर्माण कराएंगे। साथ ही 'भागीरथी' में जाने वाले दूषित कारकों की निगरानी करेंगे। डीएम-एसएसपी की भी जिम्मेदारी तय की गई है।

कन्नौज से वाराणसी तक का प्लान : प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने तकनीकी संस्थाओं की मदद से कन्नौज से वाराणसी तक 'पतितपावनी' की स्थिति पर रिपोर्ट तैयार की है। इसमें गंगा में मिलने वाली सहायक नदियों, नालों का ब्योरा है। कौन से कारक हैं, किसकी गुणवत्ता कितनी है, इसका भी जिक्र है। बोर्ड ने पांच साल के आंकड़े जुटाए हैं।

गंगा को साफ करने के लिए 2030 के प्लान में कई योजनाओं को शामिल किया गया है। फाइल फोटो

उद्योगों से कम निकले पानी : बोर्ड अधिकारियों के मुताबिक टेनरी, टेक्सटाइल, चीनी व पेपर उद्योगों, सीईटीपी से कम से कम पानी निकले, इसके लिए योजना बनाई गई है। इसमें अत्याधुनिक मशीनें लगाई जाएंगी।

अल्पकालिक-दीर्घकालिक प्लान : 2030 के प्लान में अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को शामिल किया गया है। यह जनसंख्या और संसाधनों के आधार पर तैयार हुआ है।

प्लान में इन पर होगा काम

- दो महीने में सीवेज सिस्टम मैनेजमेंट प्लान बने।
- दो महीने में नालों की मॉनिटरिंग रिपोर्ट बने।
- तीन महीने में सभी नालों पर जालियां लगें।
- छह माह में अनट्रैप्ड नालों में बायो रेमिडिएशन प्रक्रिया चालू हो।
- तीन महीने में एसटीपी से निकलने वाले डिस्चार्ज का प्लान बनाएं।
- तीन महीने में एसटीपी के बाहर वेबकैम स्थापित हों।
- तीन माह में घरों से निकलने वाली गंदगी के प्रबंधन का डीपीआर बनाएं।
- डीपीआर मंजूरी के बाद 24 माह में सीवर के कनेक्शन कराएं।
- 30 माह के अंदर एसटीपी की स्थापना।

झारखंड में 8.25 लाख पौधे लगाने का अभियान शुरू

राज्य ब्यूरो, रांची : नदियों के संरक्षण की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी झारखंड के सभी 24 जिलों में 44 नदियों के 64 स्थानों के किनारे 274 किमी में 8.25 लाख पौधे लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री रघुवर दास ने रविवार को रांची के कांके में जुमार नदी के किनारे पौधा लगाकर जल शक्ति को समर्पित नदी महोत्सव सह वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इसमें बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने भी हिस्सा लिया। यह अभियान एक माह तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने राज्य के प्रत्येक नागरिक से एक-एक पौधा लगाने और उसके संरक्षण की अपील की। कहा-जल, जंगल, जमीन और जलवायु हमारी अमानत है। इसका संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है।

मुख्यमंत्री रघुवर दास ने वन एवं पर्यावरण विभाग, वन समितियों और आम लोगों के प्रयासों की सराहना की। आंकड़ों का हवाला देकर कहा कि सभी के प्रयासों से ही वर्ष 2014 की तुलना में झारखंड में 0.29 फीसद वन क्षेत्र की वृद्धि हुई है, जबकि अन्य राज्यों में वन घट रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें झारखंड को वनों से आच्छादित पहला राज्य बनाना है।

आगरा में 26 करोड़ से तैयार होगा मेट्रो स्टेशनों का डिजाइन

जागरण संवाददाता, लखनऊ

आगरा में भी मेट्रो को लेकर कवायद तेज कर दी गई है। प्रथम चरण में मेट्रो स्टेशनों का डिजाइन कैसा होगा, इसको लेकर डिटेल डिजाइन कंसलटेंट का टेंडर लखनऊ मेट्रो द्वारा निकाला गया है। 26 करोड़ की लागत वाले इस टेंडर में संबंधित कंपनी को सिकंदरा से ताज ईस्ट गेट तक चलने वाली मेट्रो का पूरा सिविल डिजाइन बनाकर देना होगा। फिर शासन की अनुमति के बाद प्रथम चरण में करीब 6.5 किमी मेट्रो चलाने की तैयारी की जाएगी। हालांकि, डिजाइन का काम सभी स्टेशनों का कर लिया जाएगा, जिससे भविष्य में यह काम दोबारा न करना पड़े।

डिजाइन बनाने वाली कंपनी को पहले उन स्टेशनों का सर्वे करना होगा, जहां से पब्लिक चढ़ेगी। इससे हर स्टेशन पर यात्रियों की संख्या का अनुमान, उनके प्रवेश स्थान, बाहर निकलने, मूलभूत सुविधाएं, प्लेटफॉर्म व कांकोर्स एरिया की क्षमता का उल्लेख करना होगा। शुरुआत में तीन कोच की मेट्रो चलेगी, लेकिन उसका विस्तार छह कोच के लिए भविष्य में संस्था को करना होगा।

लखनऊ मेट्रो रेल कारपोरेशन (एलएमआरसी) के प्रबंध निदेशक कुमार केशव ने बताया कि प्रथम चरण में तीन एलीवेटेड और तीन भूमिगत स्टेशन बनने हैं। आगरा में मेट्रो कल्चर विकसित करने के लिए जल्द सर्वे का काम शुरू किया जाएगा। फिलहाल जहां स्टेशनों का निर्माण होना है, उस रूट पर पड़ने वाली सरकारी व गैर सरकारी जमीनों का डाटा एकत्रित करने का काम शुरू कर दिया गया है। डिजाइन पर काम करने वाली कंसलटेंट कंपनी को आगरा में बनने वाले डिपो का डिजाइन बनाना होगा। यहां मेट्रो कोच का रखरखाव होगा। यहीं से मेट्रो सुबह छह बजे निकलेगी और रात दस बजे आकर खड़ी हो जाएगी। डिपो में ही मेट्रो की धुलाई और मरम्मत का काम रात भर चलेगा।